



डीआरडीओ समाचार

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

www.drdo.gov.in

“बलस्य मूलं विज्ञानम्”

कार्तिक - अग्रहायण शक 1943, नवम्बर 2021 खण्ड 33 अंक 11

आकाश प्राइम प्रक्षेपास्त्र का सफल प्रथम उड़ान परीक्षण



इस अंक में

नवम्बर, 2021

खंड-33, अंक 11

आई एस एस एन : 0971-4405

मुख्य लेख

04

आकाश प्राइम प्रक्षेपास्त्र का सफल प्रथम उड़ान परीक्षण



घटनाक्रम

05

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ निदेशकों के सम्मलेन-2021 के दौरान डीआरडीओ डेयर टू ड्रीम 2.0 और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किए।

MoD ने भारतीय सेना के लिए 118 मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन मार्क-1 ए के लिए आपूर्ति आदेश दिया

11



आधारभूत संरचना

16

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

16

कार्मिक समाचार

21

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

22

प्रकाशन का 33वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ. के नागेश्वर राव

सह-मुख्य संपादक : सुमति शर्मा

संपादक : डॉ. फूलदीप कुमार

संपादकीय सहायक : राकेश कुमार

अनुवाद : सुनील कुमार दुबे

वेबसाइट :

<https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902482

फैक्स : 011-23819151

हमारे संवाददाता

अहमदनगर : कर्नल अतुल आप्ते, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई); **अंबरनाथ** : डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल); **चांदीपुर** : श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर); **बेंगलूरु** : श्री सुबुक्कुट्टी एस, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स); श्रीमती फहीमा एजीजे, कृत्रिम आसूचना एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर); सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उडनयोग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक); श्रीमती जोसेफिन निर्मला एम, रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान प्रतिष्ठान (डेयर); श्रीमती अनुया वेंकटेश, रक्षा जैव-अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल); श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई); डॉ. विशाल केसरी, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी); **चंडीगढ़** : श्री एच एस गोसाईं, हिम तथा अवधाव अध्ययन प्रतिष्ठान (सासे); डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), **चेन्नई**: श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई); **देहरादून**: श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील); श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई); **दिल्ली**: श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम); डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास); डॉ. निधि महेश्वरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर); श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास); श्री अनुराग पाठक, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा); सुश्री नूपुर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी); डॉ. रूपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल); **ग्वालियर** : श्री आर के श्रीवास्तव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई); **हल्दवानी**: डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव.ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर); **हैदराबाद**: श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल); श्री प्रमोद के झा, उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस); सुश्री विदिशा लहिरी, उच्च ऊर्जा प्रणाली एवं विज्ञान केंद्र (सीएचईएसएस); श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल); डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल); श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई); **जगदलपुर**: डॉ. गौशोर अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी); **जोधपुर**: श्री शशींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल); **कानपुर**: श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई); **कोच्चि** : श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिकी एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल); **लेह**: डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार); **मसूरी** : डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम); **मैसूर**: डॉ. एम पाल्मुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल); **पुणे**: डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई); डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईए टी); श्री ए एम देवाले, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल); श्री एस एस अरोल, अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स) (आरएंडडीई) (इंजी.); **तेजपुर**: डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)।

मुख्य लेख

आकाश प्रक्षेपास्त्र मिसाइल का सफल प्रथम उड़ान परीक्षण

आकाश प्रक्षेपास्त्र के एक नए संस्करण—‘आकाश प्राइम’ का 27 सितंबर 2021 को एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, ओडिशा से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया है। प्रक्षेपास्त्र ने सुधार के बाद अपनी पहली उड़ान में दुश्मन के विमान की नकल करने वाले एक मानव रहित हवाई लक्ष्य को रोका और नष्ट कर दिया।

मौजूदा आकाश प्रणाली की तुलना में, आकाश प्राइम बेहतर सटीकता के लिए एक स्वदेशी सक्रिय रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) साधक से लैस है। अन्य सुधार भी उच्च ऊंचाई पर कम तापमान वाले वातावरण में अधिक

विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं। मौजूदा उड़ान परीक्षण के लिए मौजूदा आकाश शस्त्र प्रणाली की एक संशोधित भू- प्रणाली का उपयोग किया गया है। आई टी आर के दूरी-सीमा केंद्रों द्वारा प्रक्षेपास्त्र पथ तथा उड़ान परिमाणों पर निगरानी हेतु रडारों, विद्युत- प्रकाशीय निगरानी प्रणाली तथा दुरमिति केंद्रों का उपयोग किया जाता है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आकाश प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (डीपीएसयू) तथा उद्योग को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सफल

उड़ान परीक्षण विश्व स्तरीय प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों के अभिकल्पन एवं विकास में डीआरडीओ की क्षमता को साबित करता है।

सचिव डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ डॉ. जी सतीश रेड्डी ने आकाश प्राइम प्रक्षेपास्त्र के सफल उड़ान परीक्षण के लिए टीम को बधाई दी। आपने कहा कि आकाश प्राइम प्रणाली उपयोगकर्ताओं (भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना) के विश्वास को और बढ़ाएगी क्योंकि आकाश प्रणाली पहले से ही शामिल है तथा इसमें सुधारों के साथ यह प्रक्षेपास्त्र अधिक घातक होंगे



घटनाक्रम

रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ निदेशकों के सम्मेलन-2021 में डीआरडीओ डेयर टू ड्रीम 2.0 तथा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किए

डीआरडीओ निदेशकों का सम्मेलन 3-4 अक्टूबर 2021 के दौरान डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन का विषय राष्ट्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रक्रियाओं को नया स्वरूप देना था। सम्मेलन में माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, सभी रक्षा बलों के उप प्रमुख – सेना, नौसेना और वायु सेना, गुजरात विश्वविद्यालय और डीआईएटी के कुलपति, डीआरडीओ के शीर्ष अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि, आदि शामिल थे। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सम्मेलन के दौरान डीआरडीओ की डेयर टू ड्रीम 2.0 प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री ने 40 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए— 22 व्यक्तिगत श्रेणी में और 18 स्टार्टअप श्रेणी में। आपने नवोन्मेषकर्ताओं नव उद्यमियों को बढ़ावा देने और देश में युवा प्रज्वलित मस्तिष्कों के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डेयर टू ड्रीम 3.0 भी लॉन्च किया। डेयर टू ड्रीम डीआरडीओ की अखिल भारतीय प्रतियोगिता है जो भारतीय शिक्षाविदों, व्यक्तियों और नव उद्यमियों को उभरती रक्षा और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों प्रणालियों को विकसित करने के लिए बढ़ावा देती है। डीआरडीओ प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) योजना के तहत विजेताओं को उनके विचारों को साकार करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। श्री राजनाथ सिंह ने वर्ष 2019 के लिए डीआरडीओ युवा

वैज्ञानिक पुरस्कार भी प्रदान किए। 35 वर्ष से कम आयु के सोलह डीआरडीओ वैज्ञानिकों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डेयर टू ड्रीम और डीआरडीओ यंग साइंटिस्ट्स पुरस्कारों के विजेताओं को बधाई देते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा, ये कुछ नया बनाने के लिए देश के युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवाचार, अभिकल्पन और विकास के क्षेत्र में विजेता युवा दिमाग को प्रेरित करेंगे और भविष्य में पथप्रदर्शक नवाचार करेंगे। उन्होंने कहा कि 'डेयर टू ड्रीम' चुनौती सरकार के विजन और मिशन के साथ-साथ डीआरडीओ के जनादेश का भी प्रतिनिधित्व करती है। श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सरकार के प्रयासों में केंद्रीय भूमिका निभाने और तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थिति में भी सशस्त्र

बलों की क्षमता और बल को बढ़ाने में योगदान देने के लिए डीआरडीओ की सराहना की। आपने कहा कि हाल ही में अनुबंध और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-1ए, मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन एमके-1ए और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली प्रक्षेपास्त्र प्रणाली को शामिल करना कुछ उल्लेखनीय योगदान हैं। डीआरडीओ न केवल तकनीकी रूप से उन्नत देशों की क्षमताओं से मेल खाने की कोशिश कर रहा है, बल्कि नई तकनीकों के नवाचार में भी समान रूप से लगा हुआ है। रक्षा मंत्री ने आशा व्यक्त की कि "डीआरडीओ की नई पीढ़ी के कार्यक्रम भविष्य में भी हमारे सशस्त्र बलों का उन्नयन करेंगे।" रक्षा मंत्री ने नैनो प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव रहित और रोबोटिक प्रौद्योगिकियों जैसी भविष्य की तकनीकों में काम करने के लिए डीआरडीओ युवा वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला और उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों





की सराहना की। इसे नए भारत का नया आयाम बताते हुए आपने ऐसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को बढ़ाने का आह्वान किया। आपने दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया जो सशस्त्र बलों, कर्मियों और

नागरिकों दोनों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। आपने सभी हितधारकों से सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। आपने कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में देश की पहचान

स्थापित करने और मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन को हासिल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित को पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार	प्राप्त कर्ता
सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार 2019	<p>श्री एम. चंद्र शेखर, टीओ सी, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद; श्री राजीव राव, एडमिन असिस्टेंट बी, रक्षा भू - भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डीटीआरएल), दिल्ली; श्री जमील अहमद, पीएस, महानिदेशक (टीएम), मुख्यालय, दिल्ली का कार्यालय; श्री वी. चंद्र शेखर, एसएओ II, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल), हैदराबाद; श्री मृणाल कांति सिंघा, पीए, योजना एवं समन्वय निदेशालय (डीपी एंड सी), दिल्ली; श्री एस.एल. अशोकन, प्रशासनिक अधिकारी, महानिदेशक (ईसीएस), बेंगलुरु; श्री जोगिंदर सिंह, टीओ सी, हिम एवं अवघाव अध्ययन स्थापना (सासे), चंडीगढ़; सुश्री सुजाता पी. नायर, पीए, सतर्कता एवं सुरक्षा निदेशालय (डीवीएस), मुख्यालय, दिल्ली; श्री कपीस कुमार, वीओ-सी, पद्यति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईस्सा), दिल्ली; श्रीमती मंजू एल., स्टोर सहायक बी, महानिदेशक (वैमानिकी प्रणाली का कार्यालय), दिल्ली; श्री खुशवंत लाल कोठारी, एसएसओ-1 वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली; श्री जितेंद्र सिंह, पीए, महानिदेशक कार्यालय (एनएस एंड एम), मुख्यालय दिल्ली; श्री शनवास ए, टीओ सी, नौ सेना फिजिकल एंड ओशनोग्राफिक प्रयोगशाला (एनपीओएल) कोच्चि; श्री के. भारत भूषण, भंडार अधिकारी, महानिदेशक (एमएसएस), कार्यालय हैदराबाद; श्री चमन सिंह राणा, सीएओ, रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद; श्री जसप्रीत सिंह, टीओ बी, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़; श्री वेद प्रकाश, पीएस, लेजर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (लेस्टेक), दिल्ली; श्री विजयन वी.वी., एसएओ-II, इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु; श्री के. राजेंद्र, लेखा अधिकारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद; श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, टीओ बी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई), ग्वालियर; प्रसन्ना बिदेश धवलेकर, टीओ सी, अनुसंधान एवं विकास स्थापना (इंजीनिय), पुणे; श्री अक्षय, स्टेनो डी, कार्यालय महानिदेशक (आर एंड एम), मुख्यालय, दिल्ली; श्री वी.वी. सुब्रह्मण्यम, टीओ सी, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद; सुश्री सुमेधा मेहता, टीओ बी, भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र (आरएसी), दिल्ली; श्री राजेश बलराम यादव, टीओ बी, आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे; श्री आलोक मेहता, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी, संयुक्त बीजलेखन ब्यूरो (जेसीबी), दिल्ली; श्री जी.बी. कूलकर्णी, एसएसओ-II, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु; डॉ भार्गवी आर गोपाल, सहायक निदेशक (ओएल), रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर; श्री एन. शिव राम सुरेश, टीओ ए, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम; सुश्री अनीता बी.के., वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु; श्री हिमांशु द्विवेदी, उप निदेशक, कार्मिक निदेशालय (डीओपी), मुख्यालय, दिल्ली; श्री वी.वी. मिश्रा, उप निदेशक, कार्मिक निदेशालय (डीओपी), मुख्यालय, दिल्ली।</p>

<p>युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2019</p>	<p>श्री पी. आर. श्रीकांत, वैज्ञानिक डी, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद; श्री प्रणव कुमार पांडे, वैज्ञानिक डी, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे; श्री नवीद अली, वैज्ञानिक डी, रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद; श्री वी किशोर कुमार, वैज्ञानिक, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद; श्री बी. भरत कुमार, वैज्ञानिक सी, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु; श्री किरुबाकरण पी., वैज्ञानिक डी, गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु; श्री राजकुमार एम, वैज्ञानिक डी, वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), बेंगलुरु; सुश्री खान लुबना मोहम्मद हनीफ, वैज्ञानिक डी, उर्जित पदार्थ हेतु उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक; श्री बी.एस. महबूब शरीफ, वैज्ञानिक सी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु; श्री राम मिलन साहनी, वैज्ञानिक डी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर; सुश्री सुचित्रा चौधरी, वैज्ञानिक डी, रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डीटीआरएल), दिल्ली; सुश्री अंजलि कुमारी, वैज्ञानिक सी, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद; श्री बी.एस. गुरव, वैज्ञानिक ई, आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे; डॉ (सुश्री) सोनिका शर्मा, वैज्ञानिक सी, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर; श्री शशांक कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक डी, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़; श्री सागर भालचंद्र उक्रांडे, वैज्ञानिक डी, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई), अहमदनगर।</p>
<p>तकनीकी प्रदर्शन में उत्कृष्टता हेतु डीआरडीसी पुरस्कार 2019</p>	<p>श्री शेख सिराजुद्दीन अहमद, टीओ ए, एसएफ कॉम्प्लेक्स (एसएफसी), जगदलपुर; श्री लोकाश राय, टीओ ए, रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस), दिल्ली; श्री एस. सतीश कुमार, टीओ बी, युद्धक वाहन अनुसंधान तथा विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई), चेन्नई; सुश्री एनी पी. साइमन, टीओ सी, नेवल फिजिकल एंड ओशनोग्राफिक लेबोरेटरी (एनपीओएल), कोच्चि; श्री संजय कुमार, टीओ बी, रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), हैदराबाद; श्री यू.वी. चंद्रमौली, टीओ बी, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु; सुश्री वीना एन., टीओ ए, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु; श्री एच.पी. रमेश, टीओ सी, सैन्य उड़न योग्यता एवं प्रमाणन केंद्र (सीईएमआईएलएसी), बेंगलुरु।</p>
<p>तकनीकी सहायता में उत्कृष्टता के लिए डीआरडीसी पुरस्कार 2019</p>	<p>श्री राजू कुमार रंजन, एसटीए बी, कार्यालय सलाहकार (साइबर); श्री नितार्ई सूत्रधर, एसटीए बी, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे; श्री जड्डू प्रभाकर, एसटीए बी, (डीआरडीएल); श्री अमल के. चंद्रन, एसटीए बी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स केंद्र (केयर), बेंगलुरु; श्री बिस्वजीत बेहरा, एसटीए बी, रक्षा वैमानिकी अनुसंधान प्रतिष्ठान (डेयर), बेंगलुरु; श्री महेन्द्र सिंह, टेक बी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून; श्री शिनिथ के.पी., एसटीए बी, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सीय प्रयोगशाला (डीईबीईएल), बेंगलुरु; श्री राजा किशोर महापात्रा, एसटीए बी, गैस टर्बाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बेंगलुरु।</p>
<p>डीआरडीओ जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार 2018</p>	<p>श्री एनवी कदम, वैज्ञानिक जी (सेवानिवृत्त), रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद।</p>



डीआरडीओ समाचार सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता है



डीआरडीओ समाचार सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता है

इस अवसर पर, डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित तीन उत्पाद प्रणालियाँ भी रक्षा सेवाओं को हस्तांतरित की गईं। ये हैं:

ARINC818 वीडियो संस्करण तथा स्विचिंग मॉड्यूल

भारतीय वायु सेना के लिए विकसित किए गए मॉड्यूल को वायु सेना के उप-प्रमुख एयर मार्शल संदीप सिंह को सौंप दिया गया। यह उच्च बैंडविड्थ, कम विलंबता, चैनल बॉन्डिंग, आसान नेटवर्किंग के साथ एक अत्याधुनिक मॉड्यूल है तथा 5वीं पीढ़ी के विमान विकास कार्यक्रमों को पूरा करेगा।



सोनार प्रदर्शन अनुसंधान प्रणाली

भारतीय नौसेना के लिए विकसित इस प्रणाली को नौ सेना के उप-प्रमुख वाइस एडमिरल सतीश नामदेव घोरमडे को सौंपा गया। यह भारतीय नौसेना के जहाजों पनडुब्बियों और जल निगरानी स्टेशनों आदि के लिए उपयोगी है।



बंड ब्लास्टिंग डिवाइस मार्क-II

भारतीय सेना के लिए विकसित इस उपकरण को थल सेना उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती को सौंपा गया। इसका उपयोग युद्ध के दौरान मशीनीकृत पैदल सेना की गतिशीलता को बढ़ाने के लिए डिच-कम-बंड बाधाओं की ऊंचाई को कम करने के लिए किया जाता है। गुजरात विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा में निर्देशित अनुसंधान करने के लिए एक उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र सरदार वल्लभभाई पटेल साइबर सुरक्षा अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए प्रोफेसर एचए पंड्या, गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी के बीच एक समझौता ज्ञापन का भी आदान-प्रदान किया गया। श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के दो नीति दस्तावेज-निर्देशित अनुसंधान नीति और अभिलेख प्रबंधन नीति 2021 भी जारी किए। निर्देशित अनुसंधान नीति द्वारा भविष्यत् निगरानी, रक्षात्मक तथा आक्रामक क्षमताओं जैसे विषयों पर केन्द्रित अनुसंधान के लिए अकादमिक संस्थाओं में उन्नत प्रौद्योगिकी केन्द्रों एवं अनुसंधान एककों



की स्थापना हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है। अभिलेख प्रबंधन नीति का उद्देश्य डीआरडीओ की अभिलेख प्रबंधन गतिविधियों को और मजबूत करना है। अपने संबोधन में, डॉ. रेड्डी ने सम्मलेन के महत्व और उद्देश्य के बारे में बताया और डीआरडीओ की हालिया उल्लेखनीय उपलब्धियों पर जोर दिया, जिन्हें हाल ही रक्षा सेवाओं में शामिल किया गया है। आपने उद्योग और शिक्षा जगत के साथ मिलकर काम करने में विश्वास जताया और उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों के साथ डीआरडीओ द्वारा हस्ताक्षरित कुछ समझौता ज्ञापनों का हवाला दिया। आपने सभी डीआरडीओ पुरस्कार विजेताओं तथा डेयर टू ड्रीम 2.0 के विजेताओं को अनुकरणीय कार्य हेतु बधाई दी।



रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए 118 मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन मार्क- 1 ए के लिए दिया आपूर्ति आदेश

रक्षा मंत्रालय ने 23 सितंबर 2021 को भारतीय सेना के लिए 118 मुख्य युद्धक टैंक (एमबीटी) अर्जुन मार्क- 1ए की आपूर्ति के लिए भारी वाहन निर्माणी अवडी, चेन्नई को आपूर्ति आदेश दिया। रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। माननीय प्रधानमंत्री ने 14 फरवरी 2021 को चेन्नई में एमबीटी अर्जुन मार्क-1ए को सेनाध्यक्ष जनरल एम एम नरवणे को सौंपा था।

अत्याधुनिक एमबीटी मार्क-1ए अर्जुन टैंक का एक नया संस्करण है जिसे मारक क्षमता, गतिशीलता और उत्तरजीविता बढ़ाने के लिए अभिकल्पित किया गया है। मार्क-1 संस्करण से 72 नई विशेषताओं और अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ, टैंक दिन और रात के दौरान सटीक लक्ष्य भेदन के अलावा, सभी प्रकार के इलाकों में सहज गतिशीलता सुनिश्चित करेगा। इसे डीआरडीओ द्वारा भारतीय सेना के साथ सेवाकालीन एमबीटी, अर्जुन पर कई उन्नयन शामिल करके

अभिकल्पित और विकसित किया गया है। मार्क-1ए उन्नत प्रौद्योगिकी प्रणालियों द्वारा प्रदान की गई सटीक और बेहतर मारक क्षमता, सभी इलाके की गतिशीलता और अजेय बहुस्तरीय सुरक्षा से लैस है। यह दिन और रात की परिस्थितियों में और स्थिर और गतिशील दोनों रूप में दुश्मन से मुकाबला कर सकता है।

इन क्षमताओं से, यह स्वदेशी एमबीटी दुनिया भर में अपने वर्ग के किसी भी समकालीन टैंक के बराबर साबित होता है। यह टैंक विशेष रूप से भारतीय परिस्थितियों के लिए युक्त एवं अभिकल्पित किया गया है और इसलिए यह प्रभावी ढंग से सीमाओं की रक्षा तैनाती के लिए उपयुक्त है। एचवीएफ, अवादी को यह उत्पादन आदेश एमएसएमई सहित 200 से अधिक भारतीय विक्रेताओं के लिए रक्षा निर्माण में एक बड़ा अवसर खोलता है, जिसमें लगभग 8,000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। यह अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों में स्वदेशी

क्षमता का प्रदर्शन करने वाली एक प्रमुख परियोजना होगी।

एमबीटी अर्जुन मार्क-1ए को दो साल (2010-12) के भीतर डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के साथ युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई) द्वारा अभिकल्पित और विकसित किया गया है। जून 2010 में विकास गतिविधियां शुरू हुईं और जून 2012 में टैंक को उपयोगकर्ता परीक्षणों के लिए मैदान में उतारा गया। उपयोगकर्ता की आवश्यकता से उपयोगकर्ता परीक्षणों के लिए एमबीटी अर्जुन मार्क-1ए को विकसित करने और क्षेत्र में लाने में केवल दो साल लगे। 2012-2015 के दौरान वाहन परिचालन के 7000 किमी (डीआरडीओ और उपयोगकर्ता परीक्षणों दोनों में) तथा विभिन्न गोला-बारूद की पर्याप्त फायरिंग करते हुए विभिन्न चरणों में एक व्यापक परीक्षण मूल्यांकन किया गया था।



एएसआई द्वारा डॉ. जी सतीश रेड्डी को आर्यभट्ट पुरस्कार प्रदान किया गया

सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ डॉ. जी सतीश रेड्डी को भारत में अंतरिक्ष वैमानिकी में उनके उत्कृष्ट आजीवन योगदान के लिए भारतीय वांतरिक्ष समिति (एएसआई) द्वारा प्रतिष्ठित आर्यभट्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समारोह 9 अक्टूबर 2021 को यूआर राव उपग्रह केंद्र बंगलुरु में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने इसरो, डीआरडीओ और अन्य शैक्षणिक संस्थानों से ऑनलाइन भाग लिया था।

डॉ. रेड्डी उन्नत वैमानिकी, मार्गदर्शन तथा प्रक्षेपास्त्र प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में अग्रणी वैज्ञानिक हैं। आपने सामरिक और रणनीतिक प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों में महन्ती योगदान दिया है और देश को महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भर बनने में मदद की है। आप एक संस्था निर्माता हैं और आपने मजबूत रक्षा



विकास और उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए पद्यतियों को स्थापित किया है। आपके निरंतर प्रयास से, शैक्षणिक संस्थानों में रक्षा अनुसंधान उच्च प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। एएसआई तकनीकी बैठकें आयोजित



करके, तकनीकी प्रकाशन निकालकर और प्रदर्शनियों का आयोजन करके अंतरिक्ष यात्रियों से संबंधित तकनीकी और अन्य सूचनाओं के प्रसार में लगा हुआ है।

स्थापना दिवस समारोह

एआरडीई, पुणे

आयुध अनुसन्धान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे परिवार के लिए स्थापना दिवस-2021 के मुख्य अतिथि के रूप में डीडी आर एंड डी सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी का होना एक महत्वपूर्ण अवसर था। श्री पीके मेहता, डीएस और डीजी (एसीई), श्री एएम दातार, पूर्व डीजी (एसीई), श्री केपीएस मूर्ति, ओएस एवं निदेशक एचईएमआरएल, श्री पीएम कुरुलकर, ओएस एवं निदेशक आर एंड डीई (ई), श्री एसवी गाडे, ओएस एवं निदेशक वीआरडीई तथा श्री पीटी रोजतकर, ओएस एवं निदेशक एनएमआरएल ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। डॉ. एन रंजना, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक डीएसटीए तथा डॉ. संजय



पाल, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक आईटी एंड सीएस भी समारोह में उपस्थित थे।

डॉ. वी वेंकटेश्वर राव, ओएस एवं निदेशक एआरडीई ने सभी उपस्थित विभूतियों का स्वागत किया और पिछले वर्ष की एआरडीई की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया। श्री पी के मेहता ने परियोजनाओं के लिए एआरडीई को बधाई दी। डॉ. रेड्डी ने चुनौतीपूर्ण महामारी की स्थिति के दौरान एआरडीई कर्मचारियों द्वारा किए गए अपार प्रयासों की सराहना की, तथा उत्कृष्ट परियोजना परिणामों तथा प्रदान की गई सामाजिक सेवाओं के लिए सभी की प्रशंसा की। आपने सलाह दी कि हमारी ताकत के अनुरूप भविष्य की प्रौद्योगिकियों की पहचान करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रौद्योगिकी अप्रचलन से बचने के लिए परिभाषित समय-सीमा को पूरा किया जाए।

इस अवसर पर एआरडीई ने पिनाका एमबीआरएल प्रणाली – "पिनाका: द डिवाइन बो" शीर्षक वाली एक कॉफी टेबल पुस्तिका तथा "पिनाका: ए मोजेक ऑफ मेमोरीज" नामक संस्मरण का प्रकाशन किया। डॉ. रेड्डी ने चल रही एआरडीई परियोजनाओं की समीक्षा की। आपने पाषाण रेंज में एआरडीई द्वारा विकसित छोटे हथियारों जैसे 7.62x51 मिमी एलएमजी तथा 9 मिमी मशीन पिस्टल को भी दागा।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) ने 3 सितंबर 2021 को अपना 73वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर के मुख्य अतिथि डॉ. यू के सिंह, ओएस एवं डीजी (एलएस) थे। साथी प्रयोगशालाओं के निदेशकों ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

डॉ. के रामचंद्रन, ओएस एवं निदेशक डीआईपीआर ने सभी उपस्थित विभूतियों का



स्वागत किया तथा संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आपने वर्ष 2020 के दौरान प्राप्त उपलब्धियों में योगदान करने वाले सभी अधिकारियों कर्मचारियों की सरहाना की।

डॉ. यू के सिंह, ओएस एवं डीजी (एलएस) ने अपने संबोधन में डीआईपीआर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा आगे विस्तार करने के लिए सुझाव एवं कार्य के क्षेत्र दिए।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) ने 20 अगस्त 2021 को अपना 52वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस मनाया। एनएसटीएल की स्थापना 20 अगस्त 1969 को 10 स्टाफ सदस्यों के साथ की गई थी, यह 176 वैज्ञानिकों सहित 605 कर्मियों के साथ कई गुना बढ़ गया है। प्रयोगशाला ने रक्षा अनुसन्धान एवं विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है इसे अन्तर्जालीय शस्त्रों एवं प्रणालियों के विकास के क्षेत्र में डी आर डी ओ में विशेष प्रयोगशाला के रूप में मान्यता प्राप्त है।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडीआर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ थे। डॉ. समीर वी

कामत, डीएस एवं डीजी (एनएसएम) तथा डॉ. वाई श्रीनिवास राव, ओएस एवं निदेशक एनएसटीएल उनके साथ थे।

इस अवसर पर डॉ. जीवी कृष्ण कुमार ने स्वागत भाषण दिया। श्री सीएच वीएसएन मूर्ति, अध्यक्ष एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ ने कोविड-19 महामारी के दौरान एनएसटीएल की सामाजिक सेवा गतिविधियों और टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताया, जो एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ, जेसीएम-IV, कार्य समिति और एनएसटीएल सदस्यों के सहयोग से किया गया था। डॉ. मनु कोरुल्ला, वैज्ञानिक जी तथा अध्यक्ष निर्माण समिति ने कार्य समिति की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अपने संबोधन में, डॉ. राव ने एनएसटीएल की उत्पत्ति के बारे में बताया और यह कैसे वर्तमान अत्याधुनिक प्रमुख नौसैनिक प्रयोगशाला के रूप में विकसित हुआ, पिछले एक साल में प्रयोगशाला की विभिन्न उपलब्धियों, भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों पर प्रगति का विवरण दिया और लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयोगशाला में हुए नए सुधारों का विवरण दिया।

डॉ. कामत ने कहा कि एनएसटीएल अब संक्रमण के प्रमुख चरण में है और इसे

भारतीय नौसेना की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए और अधिक उत्साह के साथ काम करना होगा।

इस अवसर पर डॉ. जी सतीश रेड्डी द्वारा मैसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पुणे को हाई पावर लिथियम – आयन बैटरी प्रौद्योगिकी सौंपी गई। एनएसटीएल ने रक्षा अनुप्रयोगों के लिए उच्च शक्ति लिथियम-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी के विकास को सफलतापूर्वक स्थापित किया है और पाउच और प्रिज्मीय विन्यास दोनों में विभिन्न क्षमताओं के सेल के निर्माण के लिए एक पायलट संयंत्र सुविधा स्थापित की है। अपने भाषण में, अध्यक्ष डीआरडीओ ने कहा कि एनएसटीएल भारतीय नौसेना के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विकासशील प्रणालियों में सबसे आगे है, आपका दृढ़ विश्वास था कि एनएसटीएल के प्रयासों से, भारत निश्चित रूप से पानी के भीतर हथियारों के विकास के क्षेत्र में चुनिंदा देशों की पंक्ति में स्थान प्राप्त करेगा।



आपने प्रौद्योगिकी अनुयायी के स्तर से एनएसटीएल के प्रौद्योगिकी नेता बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. एस सत्यनारायण, पूर्व निदेशक एनएसटीएल; एडमिरल ठाकरे, महानिदेशक एटीवीपी (उन्नत तकनीकी पोत कार्यक्रम); श्री पीवीएस गणेश कुमार, ओएस; श्री बीवीएसएस कृष्ण कुमार, ओएस; डॉ. ए

श्रीनिवास कुमार, ओएस; अन्य वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण; श्री हेमंत बैस, सचिव एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ एवं निर्माण समिति; श्री चंद्रशेखर, उपाध्यक्ष एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ तथा एनएसटीएल के कर्मचारीगण इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

आईटीआर परिसर में 15 अगस्त 2021 को श्री एच के रथ, निदेशक आईटीआर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डीएससी कर्मियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया और सभी आईटीआर कर्मियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक, आईटीआर ने अपने संबोधन में राष्ट्र के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया और सभी को भारत माता की महिमा को शीर्ष पर बनाए रखने का आह्वान किया। हरित और स्वच्छ आईटीआर के साझा दृष्टिकोण की दिशा में एक वृक्षारोपण सत्र आयोजित किया गया। अवसंरचना विकास कार्य के एक भाग के रूप में पुनर्निर्मित और नवनिर्मित भवनों का भी उद्घाटन किया गया।



हिंदी दिवस समारोह

14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस एकीकृत परिक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आईटीआर के निदेशक श्री एच के रथ ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, निदेशक आईटीआर ने सभी को आज के आधिकारिक कार्यों में भी हर क्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने हिंदी पखवाड़े (1-14 सितंबर 2021) के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की सराहना की। इस अवसर पर निदेशक ने सभी कर्मचारियों को राजभाषा की शपथ दिलाई। श्री जे एस भारती, वैज्ञानिक डी ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष का संदेश पढ़ा।

पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, नोटिंग ट्रापिंग, ओएल में ज्ञान आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की



गईं। प्रतियोगिताओं में विजेताओं और सभी प्रतिभागियों को उपयुक्त नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रचलित कोविड-19 महामारी के कारण, कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक दूरी और उचित मुख आवरण के साथ

किया गया था।

कार्यक्रम का आयोजन श्री पी एन पांडा, वैज्ञानिक एफ, सह -समूह निदेशक (एचआर), एचआरडी गुप और हिंदी सेल और उनकी टीम द्वारा किया गया था।

" 'उत्तराखंड में विनिर्माण' " में डिबेर की सहभागिता

रक्षा जैव उर्जा अनुसन्धान संस्थान (डिबेर), डीआरडीओ की टुकड़ी के तहत तीन प्रयोगशालाओं में से एक थी, जिसने उत्तराखंड के रामनगर में 16-17 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित 'उत्तराखंड में विनिर्माण' नामक सम्मलेन एवं प्रदर्शनी में भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किया। डिबेर ने जैव-ऊर्जा, उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों में वृद्धि तथा आयुर्वेदिक दवाओं के क्षेत्र में अपनी प्रमुख तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी एवं सम्मेलन का उद्घाटन माननीय संसद सदस्य और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत ने किया, आपने डिबेर की हाइड्रोपोनिक्स तकनीक तथा पाइन सुई-आधारित जैव-ऊर्जा समाधानों



में गहरी रुचि ली। डीएई, डीएसटी, एनएचपीसी, उत्तर पूर्व रेलवे, केवीआईसी आदि, जैसी प्रमुख सरकारी संस्थाओं ने भी

सम्मेलन में भाग लिया। प्रदर्शनी के दोनों दिनों में डीआरडीओ के स्टॉल में छात्रों और अन्य आम आगंतुकों की भारी भीड़ देखी गई।

आधारभूत संरचना

स्वस्थ केंद्र का उद्घाटन

डॉ. बी.के. दास, ओएस एवं निदेशक, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने आईआरडीई विज्ञान विहार परिसर में 28 अगस्त 2021 को 'पार्क व्यू' नामक नए स्वस्थ केंद्र का उद्घाटन किया। केंद्र एक उत्कृष्ट 10-बिस्तरों वाली चिकित्सा सुविधा है जिसमें दो बिस्तरों को आईसीयू के रूप में विन्यास किया गया है तथा यह सभी आवश्यक और नवीनतम चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है, जिसमें ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर, द्विस्तरीय पॉजिटिव एयरवे प्रेशर (बीआईपीएपी) मशीन, ईसीजी मशीन और मल्टी-पैरामीटर मॉनिटर शामिल हैं। डॉ. दास ने यह सुविधा आईआरडीई



कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए समर्पित की। यह कोविड की तीसरी लहर की स्थिति से निपटने का एक सक्रिय उपाय है।

सीएसडी कैंटीन का उद्घाटन

डॉ. बी.के. दास, ओएस एवं निदेशक, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने आईआरडीई परिसर में 28 अगस्त 2021 को पुनर्निर्मित सीएसडी कैंटीन का उद्घाटन किया। यह एक स्वयं सेवा इकाई है जो कर्मचारियों की दैनिक जरूरतों को पूरा करेगी। श्री आनंदराम बिड़ला, आईडीएसई ईई जीई (आई) आर एंड डी देहरादून भी उद्घाटन के दौरान उपस्थित थे। डॉ. दास ने कैंटीन के नवीनीकरण के लिए टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।



मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षता -2021

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, ऊर्जावान सामग्री हेतु उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक ने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षता कार्यक्रम-2021 आयोजित किया है। विभिन्न

कॉलेजों संस्थानों के 13 अभियांत्रिकी स्नातक छात्रों ने 16 अगस्त 2021 से 17 सितंबर 2021 तक एसीईएम, नासिक में एक महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। छात्र वांतरिक्ष

अभियांत्रिकी, धातु विज्ञान एवं सामग्री विज्ञान, अग्नि अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान तथा विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी जैसे विभिन्न विषय थे। एसीईएम के छह

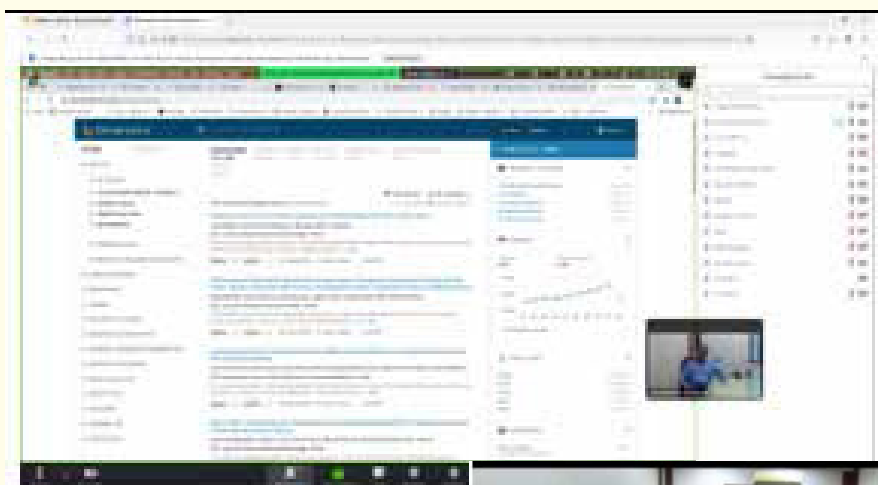
वैज्ञानिकों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया, प्रत्येक छात्र को उनके अनुशासन के अनुसार एक परियोजना मार्गदर्शक सौंपा गया। प्रशिक्षुता के हिस्से के रूप में, एक सप्ताह के लिए एक सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को एसीईएम में अनुसंधान गतिविधियों तथा विभिन्न प्रभागों से अवगत कराया गया। 17 सितंबर 2021 को एक समापन समारोह का आयोजन किया गया, डॉ. एससी भट्टाचार्य, कार्यवाहक जीएम, एसीईएम ने छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।



शोध पत्रिकाओं के प्रदर्शन और प्रकाशन रणनीति के मूल्यांकन पर वेबिनार

आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, रक्षा वैज्ञानिक सूचना और प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) दिल्ली ने डिजिटल साइंस, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से 22 सितंबर 2021 को आयाम विश्लेषण का उपयोग करके शोध पत्रिकाओं के प्रदर्शन और प्रकाशन रणनीति का मूल्यांकन नामक विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में डेसीडॉक और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. एंथनी डोना, वरिष्ठ निदेशक, गवर्नमेंट एंड फंडर्स एपीएसी, वेबिनार के स्पीकर ने प्रकाशनों में शोध मेट्रिक्स के महत्व पर चर्चा की और प्रकाशन, पेटेंट, नैदानिक परीक्षण, नीति दस्तावेज और डेटासेट सहित ग्रंथ सूची डेटा की कल्पना और निर्यात करने के लिए विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला। डॉ. के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने



डीआरडीओ की शोध पत्रिकाओं के विकास क्रम पर बात की और अतीत, वर्तमान और भविष्य के अनुसंधान की पूरी तस्वीर देने के लिए विभिन्न प्रकार के आंकड़ों का विश्लेषण भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश मोदी ने किया।



आईएसओ 9001:2015 के अनुसार आंतरिक लेखापरीक्षा पर अल्पकालिक प्रशिक्षण

25 अगस्त 2021 को प्रमाण एवं प्रायोगिक स्थापना (पीएक्सई), चांदीपुर में आईएसओ 9001:2015 के अनुसार आंतरिक ऑडिट विषय पर अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। पीएक्सई, चांदीपुर

के इक्कीस प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। गुणवत्ता सिद्धांत, लेखापरीक्षा सिद्धांत, सुधार तकनीक, पीएक्सई में आंतरिक लेखा परीक्षा तथा आईएसओ 9001:2015 के अनुसार आंतरिक ऑडिट आदि जैसे

विषय पीएक्सई, चांदीपुर और ईआरटीएल, कोलकाता के विशेषज्ञ संकायों द्वारा पढाए गए थे। प्रतिपुष्टि में प्रतिभागियों ने जिस तरह से सभी विषयों को संकाय सदस्यों द्वारा पढाया गया, उसकी सराहना की। श्री

पाठकों की राय

(आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक परिमार्जित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा ऐसा करके हम अपने संगठन की बेहतर सेवा कर पाएंगे)

1. स्थापना का नाम : _____
2. आप डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद विकास को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करने के एक माध्यम के रूप में डीआरडीओ समाचार का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
3. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल की गई तकनीकी सामग्रियों का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
4. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल किए गए चित्रों की गुणवत्ता का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
5. आप डीआरडीओ समाचार को उपयुक्त रूप में कितने पृष्ठों की पत्रिका के रूप में देखना चाहते हैं?
8 पृष्ठ 12 पृष्ठ 16 पृष्ठ 20 पृष्ठ
6. आप डीआरडीओ समाचार को किस माध्यम में पसंद करेंगे?
मुद्रित ई-प्रकाशन वीडियो पत्रिका
7. आपको डीआरडीओ समाचार की प्रति कब प्राप्त होती है?
 प्रकाशन के पूर्ववर्ती महीने में
 प्रकाशन के माह में
 प्रकाशन के अगले महीने
8. डीआरडीओ समाचार में निहित तकनीकी सामग्री में आगे और सुधार लाने के लिए आपके सुझाव :
.....
.....
.....

नाम : पदनाम :

संगठन का नाम :

दूरभाष : ई-मेल :

पता :



कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें

संपादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष : 011-23902403, 23902482 फ़ैक्स : 011-23819151

ई-मेल : director@desidoc.drdo.in



डीआरडीओ समाचार अपने प्रकाशन के तैंतीसवें वर्ष में है। यह प्रकाशन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) का मुख पत्र है। यह प्रकाशन डीआरडीओ की वेब साइट पर पीडीएफ रूप में उपलब्ध है। इस प्रकाशन को अपने पते पर मंगवाने के लिए कृपया निदेशक, डेसीडॉक को लिखें।

डी के जोशी, निदेशक, पीएक्सई और मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा आयुध भंडार के परीक्षण एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता के महत्व पर जोर दिया। डॉ. एच एस पांडा, वैज्ञानिक एफ पाठ्यक्रम निदेशक थे।

परियोजना प्रबंधन दक्षताओं के विकास पर पाठ्यक्रम

परियोजना प्रबंधन दक्षता विकास कार्यक्रम और आईपीएमए स्तर डी प्रमाण पर पांच दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी और परियोजना प्रबंधन संबंधकरण (पीएमए), भारत द्वारा 6-10 सितंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। बाईस अधिकारियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक मानकों के अनुसार परियोजना प्रबंधन के विभिन्न तरीकों और दृष्टिकोणों के बारे में प्रतिभागियों के बीच व्यापक जागरूकता विकसित करना था। पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती अनीता मोहिंद्रा, वैज्ञानिक एफ एवं कार्यवाहक निदेशक, आईटीएम द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया था।

डॉ. ए शिवधनु पिल्लई, अध्यक्ष



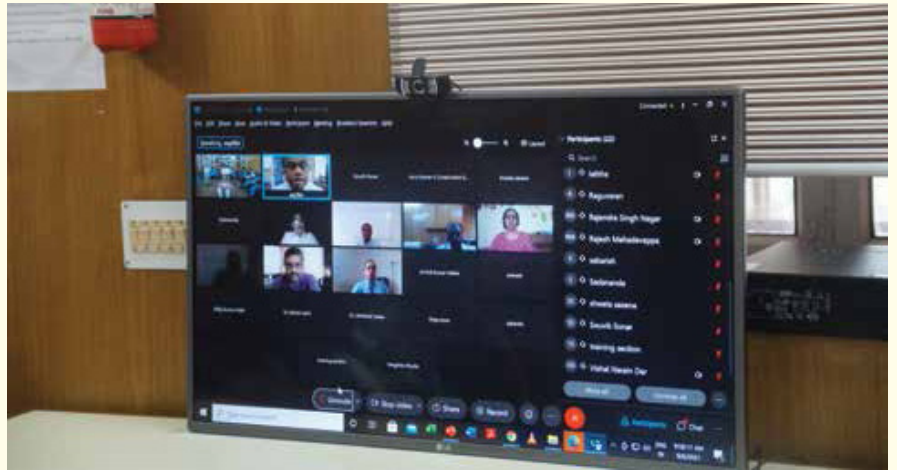
पीएमए तथा पूर्व सीईओ एवं एमडी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। आपने प्रतिभागियों को संबोधित किया और अपने अनुभव साझा किए। परियोजना, कार्यक्रम और कार्यक्षेत्र अभिमुखीकरण, अभिकल्पन, आवश्यकताएं, उद्देश्य और लाभ, दायरा, समय (नेटवर्क योजना मॉडल, महत्वपूर्ण पथ और पीईआरटी), संगठन एवं सूचना, गुणवत्ता, वित्त (निवेश मूल्यांकन) संसाधन, खरीद और भागीदारी, योजना एवं नियंत्रण, जोखिम एवं अवसर, हितधारक, परिवर्तन और परिवर्तन, रणनीति (निवेश मूल्यांकन), शासन, संरचना और प्रक्रिया, अनुपालन, मानक एवं नियम, शक्ति एवं रुचि, संस्कृति एवं मूल्य, आत्म-प्रतिबिंब एवं आत्म-प्रबंधन, व्यक्तिगत अखंडता और विश्वसनीयता, व्यक्तिगत संचार, नेतृत्व, टीम वर्क, संघर्ष

और संकट, संसाधनशीलता, परिवर्तन तथा रणनीति जैसे विषयों को आईटीएम संकाय तथा पीएमए संकाय द्वारा विस्तार पूर्वक पढाया गया। आईपीएमए स्तर डी प्रमाण परीक्षा पीएमए प्रमाणन निकाय द्वारा 13 सितंबर 2021 को ऑनलाइन माध्यम के जरिए आयोजित की गई।

पाठ्यक्रम का समापन श्री संजय टंडन, ओएस एवं निदेशक आईटीएम के समापन भाषण के साथ हुआ। आपने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। श्री विशाल नारायण डार, क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर), पीएमए ने भी पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को संबोधित किया। श्रीमती अनीता मोहिंद्रा ने पाठ्यक्रम के संचालन के बारे में जानकारी दी और धन्यवाद प्रस्ताव भी दिया। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम की सराहना की।

फाइल प्रबंधन प्रणाली पर कार्यशाला

संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय ने डीआरडीओ मुख्यालय में 23-24 सितंबर 2021 के दौरान "फाइल प्रबंधन प्रणाली" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। श्रीमती आशा त्रिपाठी, एससी जी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत



किया और उन्हें फाइल प्रबंधन प्रणाली के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. रवींद्र सिंह, निदेशक, डीपीएआरओ एंड एम ने औपचारिक रूप से कार्यशाला की शुरुआत की तथा संभाषण दिया। श्री संगम सिन्हा, ओएस एवं डीजी (आर एंड एम) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में, श्री सिन्हा ने अभिलेख प्रबंधन कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया और इस निदेशालय द्वारा की गई पहल की सराहना की। श्री आरबी सिंह, पूर्व अध्यक्ष सेप्टम एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। आपने "फाइल प्रबंधन: संचार प्रणाली का स्तंभ" पर एक विशेष वार्ता दी और पिछले दो वर्षों में निदेशालय की पहल की सराहना की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुल 59 प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों/इकाइयों से प्रतिभागी शामिल हुए और विभिन्न प्रयोगशालाओं/ प्रतिष्ठानों/इकाइयों के रिकॉर्ड अधिकारियों और अन्य नामित अधिकारियों सहित 500 से अधिक कर्मियों ने

कार्यशाला में भाग लिया। श्री उदय शंकर, पुरालेखपाल, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई); सश्री नमिता मलिक, उप

पहलुओं पर व्याख्यान दिया।

डॉ. के. एस. वरप्रसाद, डीएस एवं डीजी (एचआर) ने समापन सत्र की अध्यक्षता की



निदेशक; तथा श्री सतीश कुमार तेगता, सहायक निदेशक, रक्षा मुख्यालय प्रशिक्षण संस्थान (डीएचटीआई); तथा सुश्री गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'ई', आर एंड डी (ई) पुणे ने फाइल प्रबंधन और ई-ऑफिस के विभिन्न

और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्रीमती आशा त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख, ओ एंड एम विभाग, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।।

कार्मिक समाचार

नियुक्ति

निदेशक, आरसीआई

श्री यू. राजा बाबू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम निदेशक, वायु प्रतिरक्षा ने 23 अगस्त 2021 को निदेशक, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), डॉ. एपीजे



अब्दुल कलाम प्रक्षेपास्त्र परिसर, डीआरडीओ, हैदराबाद के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री राजा बाबू को व्यापक रूप से बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र रक्षा क्षमताओं के अभिकल्पन, विकास और सफल प्रदर्शन में कार्यक्रम निदेशक, क्षेत्र रक्षा (एडी) और प्रौद्योगिकी नेतृत्व के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। मुख्य वास्तुकारों में से एक के रूप में, उन्होंने बीएमडी प्रौद्योगिकियों के आधार पर भारत की अंतरिक्ष रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए भारत के पहले उपग्रह भेदी प्रक्षेपास्त्र परिक्षण (एएसएटी) "मिशन शक्ति" का नेतृत्व किया।

आपने भारतीय वायु सेना के साथ अपना करियर शुरू किया और बाद में

1995 में डीआरडीओ में शामिल हो गए और एक उन्नत मारक क्षमता पृथ्वी प्रक्षेपास्त्र प्रणाली के विकास और सेना में शामिल करने में निर्णायक भूमिका निभाई।

वर्तमान में, निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक के रूप में, वह भारत में रक्षा और वांतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए वैमानिकी के अभिकल्पन, विकास एवं वितरण तथा प्रक्षेपास्त्रों और निर्देशित हथियार प्रणालियों की एक विस्तृत शृंखला पर कार्यरत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रक्षेपास्त्र परिसर की प्रयोगशाला आरसीआई का नेतृत्व कर रहे हैं।

आपका निरंतर अनुसंधान एवं विकास

योगदान महत्वपूर्ण प्रक्षेपास्त्र एवं वांतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण के लिए परिवर्तनकारी रहा है इससे देश में रक्षा उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हुआ है। एक टीम लीडर के रूप में, उन्हें मिशन शक्ति के प्रदर्शन का सफलतापूर्वक नेतृत्व

करने के लिए पथप्रदर्शक अनुसंधान और उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। श्री राजा बाबू को प्रदान किए गए अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए अग्नि पुरस्कार, डीआरडीओ साइंटिस्ट ऑफ द

ईयर अवार्ड और पीएमए प्रोजेक्ट लीडर अवार्ड शामिल हैं। आप अभियंता संस्थान के अध्यक्षता तथा अनेक पेशेवर समितियों के आजीवन सदस्य हैं।

पुरस्कार

वर्ष का अभियंता पुरस्कार-2021

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद के वैज्ञानिक 'जी' डॉ. ए वेणुगोपाल राव को तेलंगाना सरकार और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत), तेलंगाना राज्य केंद्र द्वारा "वर्ष

का अभियंता पुरस्कार-2021" प्रदान किया गया है। 15 सितंबर 2021 को अभियंता- नीतिज्ञ भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के 161वें जन्मदिन समारोह के उपलक्ष्य में 54वें अभियंता दिवस समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

उच्च योग्यता अधिग्रहीत

मो. यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ', डेसीडॉक, दिल्ली को जामिया मिलिया इस्लामिया, विश्वविद्यालय नई दिल्ली से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में "स्पेशिओटेम्पोरल डेटाबेस के लिए नवीन क्लस्टरिंग दृष्टिकोण का विकास" नामक शोध प्रबंध हेतु पी एच डी उपाधि प्रदान की गई है।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम



एसीईएम और



एसीईएम, नासिक

वाइस एडमिरल संजय महिंद्रा, एवीएसएम, एनएम, डिप्टी कमांडर-चीफ, स्ट्रैटेजिक फोर्स कमांड (एसएफसी) ने 17 सितंबर 2021 को एडवांस्ड सेंटर फॉर एनर्जेटिक मैटेरियल्स (एसीईएम) का दौरा

किया। डॉ. एससी भट्टाचार्य, वैज्ञानिक श्जीश और कार्यवाहक महाप्रबंधक ने उन्हें इस बारे में जानकारी दी। एसीईएम में विकसित किए जा रहे नए ऊर्जावान प्रणोदकों पर जोर देते हुए एसीईएम द्वारा की जा रही गतिविधियां।

वाइस एडमिरल संजय महिंद्रा ने

एसएसक्यूएजी टीम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की और महत्वपूर्ण प्रणोदक प्रसंस्करण सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने देश के सबसे बड़े गुरुत्वाकर्षण मिक्सर में लाइव प्रणोदक मिश्रण भी देखा। उन्होंने एसीईएम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की जो रणनीतिक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण है और वैज्ञानिकों के ज्ञान और समर्पण से प्रभावित थे।

रक्षा उच्च गुणवत्ता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह

सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद चौरसिया ने 7 सितंबर

2021 को रक्षा उच्च ऊंचाई अनुसंधान संस्थान (DIHAR) का दौरा किया। उन्होंने कम्प्लेक्स के प्रायोगिक फार्म का दौरा किया और डॉ. ओपी चौरसिया, निदेशक कम्प्लेक्स, और वैज्ञानिकों की उनकी टीम के साथ विस्तृत बातचीत की।

उन्होंने DIHAR की कृषि-पशु प्रौद्योगिकियों और दुनिया के इस हिस्से में जैविक अवधारणा का पालन कैसे किया जा रहा है, में विशेष रुचि ली। उन्होंने लद्दाख में जैविक खेती के दायरे और क्षमता के बारे में विस्तृत बातचीत की और कैसे सिक्किम ने पूरे राज्य को जैविक रूप में परिवर्तित करने में विभिन्न चुनौतियों का सामना किया और उन्हें दूर किया।

टीम ने ऊंचाई वाले कृषि पर अपने अनुभव और अनुभव को साझा किया और लद्दाख और सिक्किम के विशेषज्ञों के लगातार आदान-प्रदान की इच्छा व्यक्त की।

एचआईएमआरएल, पुणे

डॉ. जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडीआर एंड डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 5 सितंबर 2021 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचआईएमआरएल) का दौरा किया। उनकी यात्रा के दौरान, वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा उच्च प्रदर्शन वाले रॉकेट प्रणोदक, उच्च विस्फोटक प्रौद्योगिकियों और उच्च प्रदर्शन पर प्रस्तुतियां दी गईं। बंदूक प्रणोदक। उन्होंने ऑनलाइन गुणवत्ता नियंत्रण, रिमोट रॉ मैटेरियल फीडिंग और उत्पाद संग्रह प्रणाली जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ 50 किग्रा/घंटा की क्षमता वाले स्वदेशी रूप से विकसित शट्टिवन स्कू कंटीन्यूअस मिक्सिंग फ़ैसिलिटी फॉर कंपोजिट प्रोपेलेंट्स का दौरा किया। उन्होंने रबर श्रेडिंग, नाइट्रेट एस्टर के रिमोट एडीशन और सॉल्वेंट रिकवरी सिस्टम जैसे उप-प्रणालियों के साथ 200 किलोग्राम प्रति बैच की क्षमता



5 सितंबर 2021 को डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ एचआईएमआरएल की यात्रा के दौरान

वाले प्रणोदक के एचडी 1-1 वर्ग के लिए सक्रिय बाइंडर तैयारी सुविधा का भी दौरा किया। डॉ. रेड्डी ने गहरी दिलचस्पी दिखाई है और एचईएमआरएल की गतिविधियों की सराहना की है।

रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ, महानिदेशक, एनएआई, नई दिल्ली ने 31 अगस्त 2021 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) का दौरा किया। यात्रा के दौरान, वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा क्लब मिसाइलों, नौसेना फ्लेयर्स और के जीवन विस्तार पर प्रस्तुतियां दी गईं। नौसेना मिसाइलों के लिए वारहेड्स। रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ ने प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

आईआरडीई, देहरादून

नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल ने टाइम गेटेड रमन डिटेक्शन (टीजीआरडी) प्रणाली पर डीआरडीओ और रक्षा अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (डीआरडीबी), नाइजीरिया के बीच संयुक्त विकास कार्यक्रम के संबंध में 19 अगस्त 2021 को इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टाब्लिशमेंट (आईआरडीई) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एवीएम उब्रुफिह पीटर उजेजी, जीएसएस आरबीएस पीएससी (जे) एनडीसी एमएसडीएस एमए एफआईआईपीएस और महानिदेशक, डीआरडीबी, नाइजीरिया ने अपनी टीम के साथ किया। डॉ. बी.के. दास, ओएस और निदेशक, आईआरडीई ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। दोनों टीमों ने उत्पाद के प्रदर्शन के बाद टीजीआरडी प्रणाली के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की। डीआरडीबी प्रतिनिधिमंडल ने पीडीसी से काफी पहले रिकॉर्ड समय में उत्पाद को साकार करने के लिए आईआरडीई,



31 अगस्त 2021 को एचईएमआरएल के दौर के दौरान रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ, महानिदेशक, एनएआई, नई दिल्ली ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की



31 अगस्त 2021 को श्री केपीएस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक एचईएमआरएल रियर एडमिरल बृजेश वशिष्ठ, महानिदेशक, एनएआई को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए



AVM उब्रुफिह पीटर उजेजी, DG DRDB, नाइजीरिया IRDE उत्पादों में गहरी दिलचस्पी लेते हुए

डीआरडीओ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। डॉ. दास ने प्रतिनिधियों को आईआरडीई उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। एवीएम उजेजी और उनकी टीम ने आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी दिलचस्पी ली। एवीएम उजेजी और डॉ. दास ने संबद्ध क्षेत्रों में भविष्य में सहयोग करने का वादा किया।

भारत के रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री माननीय श्री अजय भट्ट ने 3 सितंबर 2021 को उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई) का दौरा किया। डॉ. बी.के. दास, ओएस और निदेशक और आईआरडीई के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उनका स्वागत किया। डॉ. दास ने आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के बारे में विस्तार से बताया। उनकी यात्रा के दौरान आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। माननीय आरआरएम इन उत्पादों को देखकर अत्यधिक प्रसन्न हुए। उन्होंने भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की।



डॉ. बी.के. दास, ओएस और निदेशक, आईआरडीई एवीएम उरुफिह पीटर उजेजी, डीजी डीआरडीबी, नाइजीरिया को एक स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित करते हुए



डॉ. बीके दास, ओएस और निदेशक माननीय श्री अजय भट्ट को आईआरडीई उत्पाद दिखाते हुए।



डेयर टू ड्रीम 3.0

(डीआरडीओ द्वारा नवाचार प्रतियोगिता)

रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचारों को नई ऊर्जा प्रदान करना

"आपके सपने सच हों इससे पहले आपको सपने देखने होंगे"
— डॉ. कलाम



डी टू डी 3.0 पर संक्षिप्त

रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डीआरडीओ द्वारा पहचानी गई उभरती प्रौद्योगिकियों में विघटनकारी विचारों और अवधारणाओं का पता लगाने के लिए एक प्रतियोगिता।

पात्रता

व्यक्तिगत अन्वेषक

18 वर्ष से अधिक आयु का भारतीय नागरिक होना चाहिए
स्टार्ट-अप: डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त होने के साथ साथ भारतीय संस्थापक हों

आवेदन करने की अंतिम तिथि 01 दिसंबर 2021

डेयर टू ड्रीम 3.0 के लिए पुरस्कार

प्रत्येक चुनौती में प्रत्येक श्रेणी से अधिकतम 3 विजेता होंगे – व्यक्तिगत और स्टार्टअप



प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण के हिस्से के रूप में भारी सफलता देखने के बाद, डीआरडीओ ने दूरदर्शी, महान पूर्व राष्ट्रपति और प्रख्यात वैज्ञानिक, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को श्रद्धांजलि के रूप में अपनी नवाचार प्रतियोगिता, 'डेयर टू ड्रीम 3.0' का तीसरा संस्करण लॉन्च किया है। डॉ. कलाम ने सबसे पहले आत्मनिर्भरता की दृष्टि और भारत के अपने विकास मॉडल की वकालत की। हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए देश में रक्षा और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में नवाचार के निर्माण के लिए व्यक्तियों और स्टार्टअप दोनों को बढ़ावा देने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिता शुरू की जा रही है।

डेयर टू ड्रीम 3.0 देश के नवोन्मेषकों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक विचार-आधारित खुली चुनौती है और उन्हें अपने विचारों को मूर्त परिणामों में डालते हुए बिना किसी सीमा के बड़े सपने देखने में सक्षम बनाता है। विजेताओं की घोषणा दो स्तरीय समितियों, यानी डोमेन विशेषज्ञ समिति (डीईसी) और स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति (आईईसी) द्वारा व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद की जाएगी। संबंधित विजेताओं को स्टार्टअप के लिए 10 लाख रुपये और व्यक्तियों के लिए 5 लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। चुनिंदा प्रस्तावों को भी उनके दृष्टिकोण और विचारों को साकार करने और एक मजबूत रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान करने का मौका दिया जाएगा।

पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें....

<https://www.drdo.gov.in/>

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली-110 054 द्वारा प्रकाशित